**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या : 1645**
**गुरुवार, 5 दिसंबर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

## शिमोगा हवाई अड्डे के लिए उड़ान योजना

**1645. श्री बी. वाई. राघवेन्द्रः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) शिमोगा हवाई अड्डे के लिए उड़ान योजना के तहत स्वीकृत मार्गों की संख्या कितनी है;

(ख) उक्त स्वीकृत मार्गों के तहत शिमोगा हवाई अड्डे से वर्तमान में कितनी उड़ानें संचालित हो रही हैं;

(ग) उन अनुमोदित मार्गों/उड़ानों का ब्यौरा क्या है जिनका परिचालन अभी शुरू होना बाकी है और विलंब के क्या कारण हैं;

(घ) शिमोगा हवाई अड्डे से उक्त योजना के तहत लंबित उड़ानें शुरू होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है; और

(ङ) भविष्य में शिमोगा हवाई अड्डे के लिए अन्य अतिरिक्त मार्गों और उड़ानों की परिकल्पना का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क): क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस - 'उड़ान') के अंतर्गत, शिवमोग्गा को न्यू गोवा (एमओपीए), तिरुपति, हैदराबाद, दिल्ली और चैन्ने से जोड़ने वाले 5 आरसीएस मार्ग, आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए चयनित एयरलाइन ऑपरेटरों को आवंटित किए गए हैं।

(ख): वर्तमान में शिवमोग्गा हवाईअड्डे से निम्नलिखित आरसीएस मार्ग प्रचालित हैं:

(i) स्टार एयर, जो शिवमोग्गा को न्यू गोवा (मोपा), तिरुपति और हैदराबाद से जोड़ती है।

(ii) स्पाइसजेट, जो शिवमोग्गा को चैन्ने और हैदराबाद से जोड़ती है।

(ग) से (ङ): शिवमोगा को दिल्ली से जोड़ने वाला आरसीएस मार्ग, जो स्पाइसजेट को अवार्ड किया गया था, अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन पूरी तरह से विनियमन मुक्त हो गया था। एयरलाइनें किसी भी प्रकार के विमान के साथ क्षमता बढ़ाने, किसी भी बाजार और नेटवर्क को सेवा देने हेतु चुनने और सरकार द्वारा जारी किए गए मार्ग संवितरण दिशानिर्देश (आरडीजी) और डीजीसीए द्वारा अनुमोदित उड़ान शेड्यूल के अनुपालन के अधीन परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए, यह एयरलाइन प्रचालकों पर निर्भर होता है कि वे अपनी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी शहर से हवाई सेवाओं की शुरूआत पर विचार करें।

*****